Emblem of the University

The emblem of the University depicts the philosophy of the University, which is based on creating an environment of harmony and progress by encouraging the stakeholders to enlighten themselves. The central space of the emblem has Lord Buddha on the lotus in the '*dhamma chakra mudra*' – first of the ten mudras of Buddha image and depictions. Buddha depicted this gesture during his first sermon in the knowledge of the divine law at Sarnath. The image of the posture of Buddha reflects the ideology of the University for the pursuit of knowledge which is contemporary, adaptive, enlightening and liberating; while following the divine laws of humanity and nature.

The emblem is crowned with the motto of the University '*atta deepo bhava*' that means 'be the light to oneself'. The motto invokes the efforts for the self-realization of a person to see the world in the light of his own enlightenment.

At the base of the emblem is lotus which is the reflection of prosperity and spirituality. It reflects following dharma with divinity, compassion, and intelligence towards scientific pursuit of the immortal truth.

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह विश्वविद्यालय का दर्शन प्रकट करता है, जो हितधारकों को स्वयमेव को प्रबुद्ध करने के लिए प्रोत्साहित करके सद्भाव और प्रगति का वातावरण बनाने पर आधारित है। प्रतीक के केंद्रीय स्थान में 'धम्म चक्र मुद्रा' में कमल पर विराजमान भगवान बुद्ध की छवि है। यह भगवान् बुद्ध की दस मुद्राओं में से प्रथम छवि है। भगवान् बुद्ध ने सारनाथ में दिव्य नियमों के ज्ञान में अपने पहले धर्मोपदेश के दौरान इस भाव का चित्रण किया था। बुद्ध की इस मुद्रा की छवि, मानवता और प्रकृति के दिव्य नियमों का पालन करते हुए समकालीन, अनुकूल, प्रबुद्ध और मुक्तिदायक ज्ञान की साधना हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

प्रतीक चिन्ह में विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य 'अत्त दीपो भव' मुकुट रूप में सुशोभित है, जिसका अर्थ है 'स्वयं के लिए प्रकाश बनें'। आदर्श वाक्य किसी भी व्यक्ति के स्वयं के ज्ञान के प्रकाश में विश्व को अलौकिक करने हेतु आत्म-साक्षात्कार के प्रयासों का आह्वान करता है।

प्रतीक के आधार में कमल का पुष्प है जो समृद्धि और आध्यात्मिकता का प्रतिबिंब है। यह अमर सत्य की वैज्ञानिक खोज के प्रति दिव्यता, करुणा और बुद्धिमत्ता के साथ धर्म का पालन करने कि और इंगित करता है।

Vision Statement

Our vision is to be the global center for knowledge creation and dissemination through the scientific enquiry in all the spheres of human life based on the noble eightfold path and the principals of service to the humanity.

दृष्टि वक्तव्य

हमारी दृष्टि में सिद्धार्थ विश्वविद्यालय को मानव जीवन के सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक शोध एवं प्रक्रिया के माध्यम से ज्ञान का सृजन और प्रसार हेतु एक वैश्विक केंद्र बनाना है**,** जो कि महान अष्टांग मार्ग और मानवता की सेवा के सिद्धांतों पर आधारित है।

Mission Statement

Our mission is to achieve the global standards of academics steered through contemporary research blended with traditional knowledge and service to humanity by creating suitable systems, mechanism and infrastructures. The mission of the University entails:

- To achieve excellence and to keep pace with the international standards by strengthening teaching and research environment.
- To focus on developing the academic rigor blended with co-curricular activities that develops entrepreneurial and employable candidates for the society
- To develop the pool of talent equipped with professional skills, strong ethical and moral values and leadership qualities which can help in contributing towards the development of the local, regional, national and global development.
- To design and implement the courses, suitable modern systems and mechanism that enables the skills, nationalism and value-based learning among the students of the University and its affiliated colleges.
- To create an environment that attracts the international talent and provide safe and suitable platform for cross-cultural learning of skills and values.
- To run centers of excellence that conduct research, training and capacity building in the area of religion, science, social theories, international issues and entrepreneurship.

- To create modern, sustainable, green and eco-friendly environment systems and infrastructure that supports academic environment and contemporary research.

विश्वविद्यालय का लक्ष्य

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का लक्ष्य उपयुक्त प्रणालियों, प्रबंधतंत्र और बुनियादी ढांचे का निर्माण करके मानवता के लिए पारंपरिक ज्ञान और सेवा के साथ, समकालीन अनुसंधान के माध्यम से संचालित, शिक्षा के वैश्विक मानकों की प्राप्ति करना है। विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में शामिल हैं:

- शिक्षण और अनुसंधान के माहौल को मजबूत करके उत्कृष्टता हासिल करना और अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाना।
- पाठ्यचर्या एवं सम्बंधित गतिविधियों से सज्जित ऐसी सुदृढ अकादमिक व्यवस्था को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना, जो कि समाज के लिए उद्यमशील और रोजगार योग्य नागरिकों को विकसित करे।
- ऐसे पेशेवर, कुशल, नैतिक मूल्यों और नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों/ शिक्षार्थियों का समुच्चय विकसित करना जो कि स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक विकास में योगदान देने में मदद कर सके।
- विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध महाविद्यालयों के छात्रों को कौशल, राष्ट्रीयता, जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु, पाठ्यक्रमों को डिजाइन और कार्यान्वित करना एवं इसके लिए उपयुक्त आधुनिक प्रणाली और प्रबंधतंत्र विकसित करना ।
- एक ऐसा वातावरण तैयार करना जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाओं को आकर्षित करे और कार्यकौशल और मूल्यों के बहु-सांस्कृतिक एवं अंतर-सांस्कृतिक व्यवहार सीखने के लिए एक उपयुक्त और सुरक्षित मंच प्रदान कर सके।
- धर्म, विज्ञान, सामाजिक सिद्धांतों, अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों और उद्यमिता के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण का संचालन करने वाले उत्कृष्टता केंद्र कि संरचना एवं संचालन करना।
- आधुनिक, धारणिय, हरित और पर्यावरण परक प्रणालियों और बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जो शैक्षणिक वातावरण और समकालीन अनुसंधान का समर्थन करता हो।

Core Values

The core values of the University are to develop an ARCH framework for academic, intellectual and holistic development of the students and serve the globe by following the eightfold path of righteousness. The noble eightfold path is divided in three themes Good Moral Conduct (Right Understanding, Right Thought and Right Speech), Mediation and Mental Development (Right Action, Right Livelihood and Right Effort) and Wisdom (Right Mindfulness and Right Concentration). The **ARCH** of the University embodies the:

- **Academic Excellence:** The University follows the blend of excellence in academics across the disciplines that prepares the students for serving the society with the help of contemporary skills.
- **Research Excellence:** With the focus on the local issues and global demand, the University is committed for achieving its academic excellence with the development and delivery of the curricular based on grounded and impactful research in the various disciplines.
- **Community Development:** The academic and research excellence of the University is focused on the social, cultural, economic and spiritual development of the stakeholders and of the community at large.
- **Humanity:** The University is committed to the service towards the humanity by following the eightfold path of righteousness in systems, planning and action that would contribute towards the social inclusiveness, mutual respect, sustainable practices and social as wells as national integration.

मूल सिद्धांत

विश्वविद्यालय का मूल सिद्धांत छात्रों के अकादमिक**,** बौद्धिक और समग्र विकास के लिए वृत्त-खंड (**ARCH)** ढांचे को विकसित करना और धार्मिकता के अष्टांग मार्ग का पालन करके विश्व की सेवा करना है। महान अष्टांग मार्ग तीन विषयों में विभाजित है: अच्छा नैतिक आचरण (सम्यक समझ**,** सही विचार और सही भाषा)**,** मध्यस्थता और मानसिक विकास (सम्यक कार्य**,** सही आजीविका और सही प्रयास) और ज्ञान (सम्यक ध्यान और सही एकाग्रता)। विश्वविद्यालय के मूल सिद्धांत के वृत्त-खंड (**ARCH)** के चार खंड है:

- **अकादमिक (शैक्षणिक) उत्कृष्टता**: विश्वविद्यालय समकालीन कौशल की मदद से छात्रों को समाज की सेवा करने के लिए तैयार करने वाले शिक्षा के क्षेत्र के विषयों में उत्कृष्टता का अनुसरण करता है।
- **रीसर्च (अनुसंधान) उत्कृष्टता:** स्थानीय मुद्दों और वैश्विक मांग पर ध्यान देने के साथ विश्वविद्यालय विभिन्न विषयों में पाठ्यचर्या आधारित आधारभूत और प्रभावशाली शोध के विकास और वितरण के साथ अपनी अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- **कम्युनिटी (सामुदायिक) विकास**: विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता बड़े पैमाने पर हितधारकों और समुदाय के सामाजिक**,** सांस्कृतिक**,** आर्थिक और आध्यात्मिक विकास पर केंद्रित है।
- **ह्यूमैनिटी (मानवता)** : विश्वविद्यालय व्यवस्था**,** योजना और कार्रवाई में धार्मिकता के अष्टांग मार्ग का पालन करके मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है जो सामाजिक समावेशिता**,** आपसी सम्मान**,** स्थायी प्रथाओं और सामाजिक के साथ-साथ राष्ट्रीय एकीकरण में योगदान देगा।